

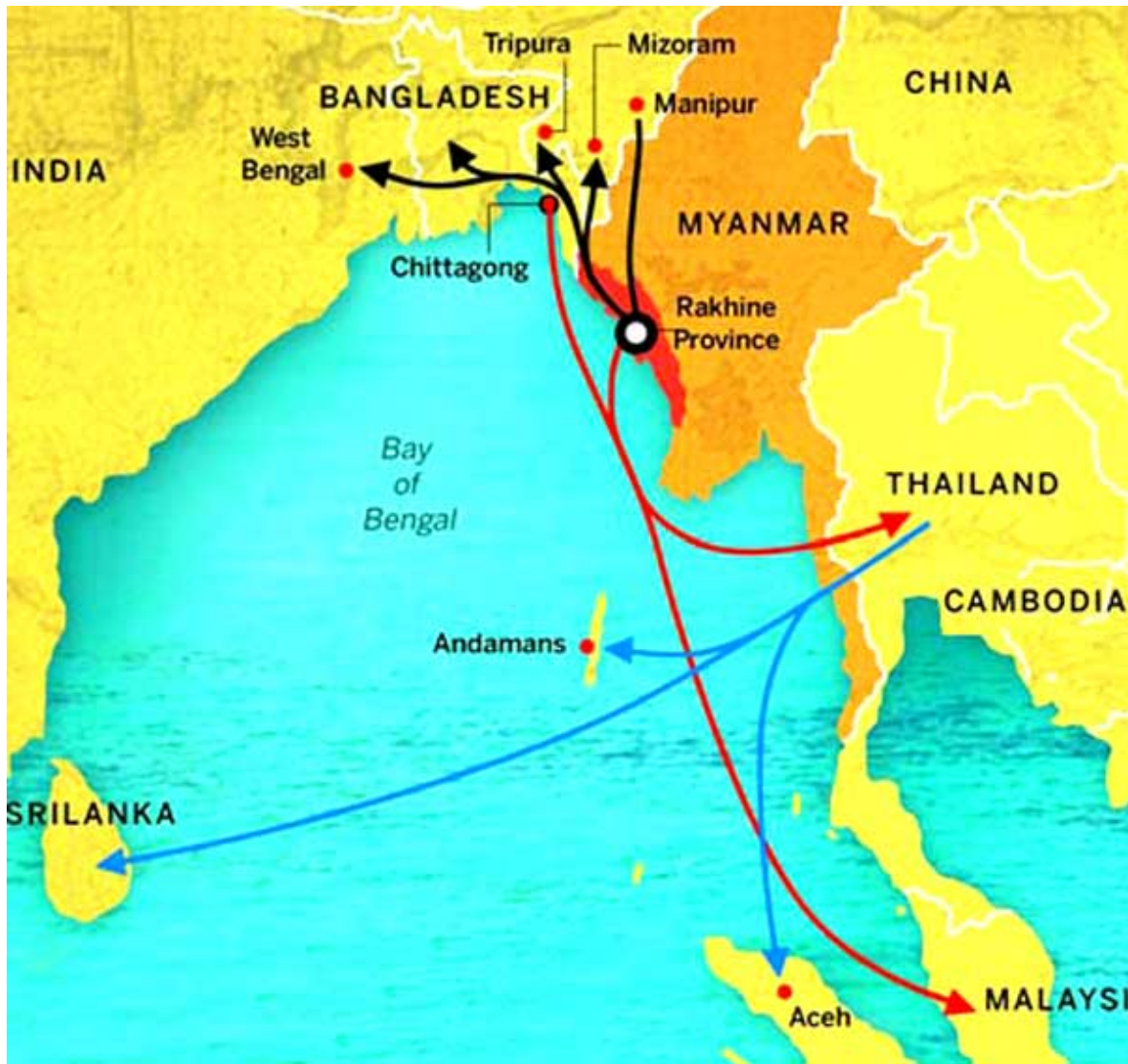
रखाइन में भीषण अकाल

स्रोत: द हट्टि

संयुक्त [राष्ट्र विकास कार्यक्रम \(UNDP\)](#) ने चेतावनी दी है कि [म्यांमार का रखाइन राज्य](#), जो रोहिंग्या अल्पसंख्यकों का नवास स्थान है, आंतरिक संघर्षों, आर्थिक पतन और [प्राकृतिक आपदाओं के कारण भीषण अकाल](#) का सामना कर रहा है।

- **भीषण अकाल के प्रमुख कारक:** वस्तुओं पर प्रतिबंध लगाने वाली नाकेबंदी, [उच्च मुद्रासफीति](#), आय की कमी, खाद्य उत्पादन में कमी, आवश्यक सेवाओं का अभाव।
 - पूर्वानुमानों से ज्ञातव्य है कि घरेलू खाद्य उत्पादन **मार्च-अप्रैल 2025 तक रखाइन की ज़रूरतों का केवल 20% ही पूरा कर पाएगा**। घरेलू खाद्य उत्पादन में गरिब के कारण मार्च-अप्रैल 2025 तक 2 मिलियन से अधिक लोगों को भुखमरी का सामना करना पड़ सकता है।
 - सैन्य नेतृत्व वाली सरकार ने मानवीय सहायता के वितरण और पहुँच पर कड़े प्रतिबंध लगाए हैं, जिससे रखाइन राज्य में बगिड़ते मानवीय संकट को और भी गंभीर बना दिया है।
- **म्यांमार का सबसे पश्चिमी राज्य** रखाइन, सबसे गरीब क्षेत्रों में से एक है, जो नरिंतर संघर्ष, वसिथापन और गरीबी का सामना कर रहा है।
 - म्यांमार में रोहिंग्या मुसलमि अल्पसंख्यक दशकों से व्यवस्थति भेदभाव और नागरकिता कानूनों के कारण हाशयि पर हैं, जिससे उन्हें राज्यवहिनीता तथा अधिकारों से वंचति जीवन जीने पर मजबूर होना पड़ा है। जिसके कारण लाखों लोग उत्पीड़न के कारण पलायन कर रहे हैं।
 - वर्ष 2017 में, भारत ने म्यांमार को रखाइन राज्य में [वसिथापति व्यक्तियों के लयि आवासीय बुनयादी ढाँचे के नरिमाण](#) में सहायता करने के लयि एक विकास कार्यक्रम पर हस्ताक्षर कयि थे।
- UNDP की स्थापना वर्ष 1965 में [संयुक्त राष्ट्र](#) द्वारा की गई थी, जिसका उद्देश्य [गरीबी](#) उन्मूलन तथा [सतत विकास](#), लोकतांत्रिक शासन और जलवायु अनुकूलन को बढ़ावा देना है।

//



और पढ़ें: [म्यांमार में जारी मुद्दे](#)

PDF Referenece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/acute-famine-conditions-in-rakhine>